an>

Title: Need to start cow sancturies in the country.

श्री प्रहलाद सिंह पटेल (दमोह) ः देश की खेती में बैलों का उपयोग कम होने के कारण बड़ी संख्या में बछड़े, बैल एवं गाय सड़कों पर जमा हो रहे हैं, जिससे सड़क पर आवागमन प्रभावित हो रहा है तथा सड़क दुर्घटनायें बढ़ रही हैं। खड़ी फसलों को बड़ी मात्रा में नुकसान होने के कारण देश का किसान संयम खो रहा है। मध्य प्रदेश सहित अनेक राज्यों में गोवंश की हत्या पर प्रतिबंध के कारण कसाई बड़े पैमाने पर तस्करी कर रहे हैं। बंजर भूमि को पुनः खेती योग्य बनाने का एकमात्र विकल्प एवं उपाय देशी गाय का गोबर ही है। देशी गौवंश अमूल्य धन है लेकिन सरकारों की दिशाहीन नीतियों के कारण संरक्षक किसान गौवंश के प्रति उदासीन होता जा रहा है। ऐसी स्थिति में देश की भविÂÂष्य की कृषि, किसान एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर खतरा है। गौवंश के लिए भूसा, चारा, पानी चिकित्सा एवं मृत पशु का संस्कार गंभीर समस्या बन गया है। अतः सरकार को गौवंश के संरक्षण के लिए युद्धस्तर पर गौ अभ्यारण्य प्रारंभ करना चाहिए। प्रयोग स्वरूप दमोह जिले के जारूधाम में समाज एवं सरकार के सहयोग से 107 हैक्टेयर भूमि में गौ अभ्यारण्य प्रारंभ हुआ है।